

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
लघु सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

लघु सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक : 16 अक्टूबर 2015

विषय :

वित्तीय वर्ष 2015-16 में लघु सिंचाई सलाहकार समिति योजनान्तर्गत
धनावंटन विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 940/ल0सि0/दिनांक 15.09.2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में स्वीकृत बजट प्राविधान के सापेक्ष आयोजनेत्तर पक्ष में लघु सिंचाई सलाहकार समिति योजनान्तर्गत रूपया 1446 हजार (₹ चौदह लाख छियालीस हजार मात्र) की निम्नानुसार वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर प्रादिष्ट किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि हजार रूपया में)

अनुदान संख्या 20 लेखाशीर्षक-2702-लघु सिंचाई-02-भूजल-005-अन्वेषण-05-लघु सिंचाई सलाहकार समिति-00-आयोजनेत्तर	
मद का नाम	निर्गत वित्तीय स्वीकृति
01 वेतन	440
03 महंगाई भत्ता	500
04 यात्रा भत्ता	40
06 अन्य भत्ते	48
07 मानदेय	50
08 कार्यालय व्यय	15
09 विद्युत देय	15
11 लेखन सामग्री एवं फार्मों की छपाई	10
12 कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	5
13 टेलीफोन पर व्यय	20
15 गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल की खरीद	100
16 व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	90
17 किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	100
46 कम्प्यूटर साफ्टवेयर/हार्डवेयर का क्रय	5
47 कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	8
योग	1446

(2)

1. उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किस्तों में वास्तविक व्यय, आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा।
2. मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या से सम्बन्धित इकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
3. उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि में से अवचनबद्ध मदों के सम्बन्ध में प्रत्येक दशा व प्रकरण में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय और प्रत्येक मद के सम्बन्ध में मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बना ली जाय, तदनुसार बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जाय।
4. स्वीकृत धनराशि का उपयोग वित्तीय हस्त पुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों, वित्तीय नियमों एवं मितव्ययता सम्बन्धी समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए उत्तराखण्ड प्रक्योरमेंट नियमावली 2008 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।
5. उक्तानुसार धनराशि संलग्न आनलाईन अलाटमेंट आईडी संख्या S1510200154 से निर्गत की जा रही है।
6. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत उपर्युक्त तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षक के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
7. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
सचिव

संख्या 841 / 11-2015-07(03)/2015 तददिनांक

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मा0 मंत्री, लघु सिंचाई को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूं मण्डल नैनीताल।
6. समस्त अधीक्षण अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।
7. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-1 व 4), उत्तराखण्ड शासन।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(प्रदीप जोशी)
उप सचिव